नवभारत, नागपुर 23 मार्च 2009

अपने निवेश को विकल्पों में बांटें : वासनकर

नागपुर. व्या.प्र. वासनकर वेल्थ मैनेजमेंट प्रा. लि. के अध्यक्ष प्रशांत वासनकर ने कहा कि शेयर बाजार का ऊंट कब किस करवट बैठेगा इसके बारे में कभी भी कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता. अतः बेहतर यही

होगा कि निवेशक बनी बनाई धारणाओं पर अमल न करते हुए खुद अपनी संपत्ति का प्रबंधन करें. 'खुद बने अपने वेल्थ मैनेजर' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निम्न स्तर पर खरीदी और उच्च स्तर पर बिकवाली की बाजार की सबसे लोकप्रिय धारणा भी कभी कभार ही सफल होती है. यहां तक कि लंबी अवधि के लिए निवेश की धारणा भी कुछ मर्तबा गलत साबित हुई. पिछले 18 वर्षों में 3 बार ऐसा हुआ जब 5 वर्ष के लिए किए गए निवेश निगेटिव रिटर्न मिला. इसी तरह 3 वर्ष अवधि के लिए किए गए निवेश ने भी 2 बार रिटर्न निगेटिव रहे. बेहतर यही है कि निवेशक अपने निवेश को विभिन्न निवेश विकल्पों में बांटने की आदत डालें. यह इक्विटी, गोल्ड, प्रापर्टी और रिस्क फ्री इंवेस्टमेंट जैसे बांड आदि के रूप में हो सकता है.

उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए बताया कि किस तरह निवेशक एसेट एलोकेशन और इन्वेस्टमेंट की रिबेलेंसिंग कर 20 प्र.श. रिटर्न पा सकते हैं. 2008 में गिरते बाजार में यह संभव था. उन्होंने बताया कि विभिन्न माध्यमों के जरिए आज हमारे पास जानकारी का जरूरत से ज्यादा भंडार हो गया जो कई बार हमें असंजस में डाल देती है. ऐसे में जरूरी है कि हम खुद अपने वेल्थ मैनेजर बनें. खुद का वेल्थ मैनेजर बनने के लिए उन्होंने अर्थव्यवस्था और उद्योग क्षेत्र में आए बदलाव और उनके प्रभाव की जानकारी, टेक्निकल एनालिसिस और वेल्थ मैनेजमेंट कान्सेप्ट पर विश्वास करने वाली फर्म का साथ जरूरी बताया. अर्थव्यवस्था और बाजार की भविष्यवाणी पर उन्होंने कहा कि नई और स्थिर सरकार बनने तक शेयर बाजार सुधरेगा इसकी कोई उम्मीद नहीं दिखती. निवेशकों को चाहिए कि आगे पछताने से अच्छा है कि सुरक्षित रहे. निवेश में इक्विट के प्रमाण को घटाते हुए एसेट एलोकेशन पर ज्यादा जोर दें.

कार्यक्रम में वासनकर इन्वेस्टमेंट के प्रबंध निदेशक विनय वासनकर, कार्यकारी निदेशक रामकुमार अय्यर और उपाध्यक्ष श्रीनिवास भी उपस्थित थे. 150 से ज्यादा निवेशकों ने कार्यक्रम का लाभ लिया.